राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक
एवं
"वन अनुसंधान ई-पत्रिका" के अंक-01 का विमोचन

दिनांक 26.07.2019 को माननीय निदेशक श्री ए.एस. रावत, भारतीय वन सेवा की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के राजभाषा हिन्दी से संबन्धित तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की गई। बैठक के प्रारम्भ में श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत करते हुये गत तिमाही बैठक में लिए गए निर्णयों और उन पर की गई कार्रवाई के बारे में सभा को अवगत किया। बैठक में संस्थान के प्रभागों/अनुभागों से प्राप्त दो तिमाहियों के आँकड़ों की समीक्षा की गई। इसमें निदेशक महोदय ने सभी प्रभाग प्रमुखों को आवश्यक पत्राचार के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयत्न करने को कहा।

इसके उपरांत, अत्यंत हर्ष के साथ सभा को अवगत कराया गया कि हिन्दी अनुभाग के द्वारा हिंदी भाषा में पहली बार "वन अनुसंधान ई-पत्रिका" के अंक-01 का प्रकाशन कार्य सम्पूर्ण किया गया है। पत्रिका में वानिकी से संबंधित शोधों को प्रकाशित किया गया है जिसमें संस्थान तथा परिषद के अंतर्गत अन्य संस्थानों/केन्द्रों से भी स्तरीय लेख प्राप्त हुये हैं। इस अवसर पर मुख्य संपादक डॉ. मौ. यूसुफ, वैज्ञानिक-जी एवं प्रभाग प्रमुख, वन संरक्षण प्रभाग ने अपने वक्तव्य में पत्रिका के उद्देश्य के बारे में सभा को अवगत किया। पत्रिका के संपादक एवं समन्वयक श्री रामबीर सिंह, ने पत्रिका के आगामी अंकों के लिए सभी से लेख आमंत्रित किए। इसके पश्चात निदेशक महोदय ने विधिवत पत्रिका का विमोचन किया और सभी को इस प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। निदेशक महोदय ने अपने भाषण में वानिकी से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों को जन सामान्य तक पहुँचाने के लिए इस तरह के प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। पत्रिका के विमोचन के बाद इसे संस्थान तथा परिषद की वेबसाइट पर व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अपलोड किया गया।

इस शुभ अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी माननीय सदस्यों सहित संस्थान के कुलसचिव महोदया श्रीमती आरती चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण और शोधार्थीगण, श्री अमोल राऊत, श्री दिनेश चंद्र आदि उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

26 जुलाई, 2019

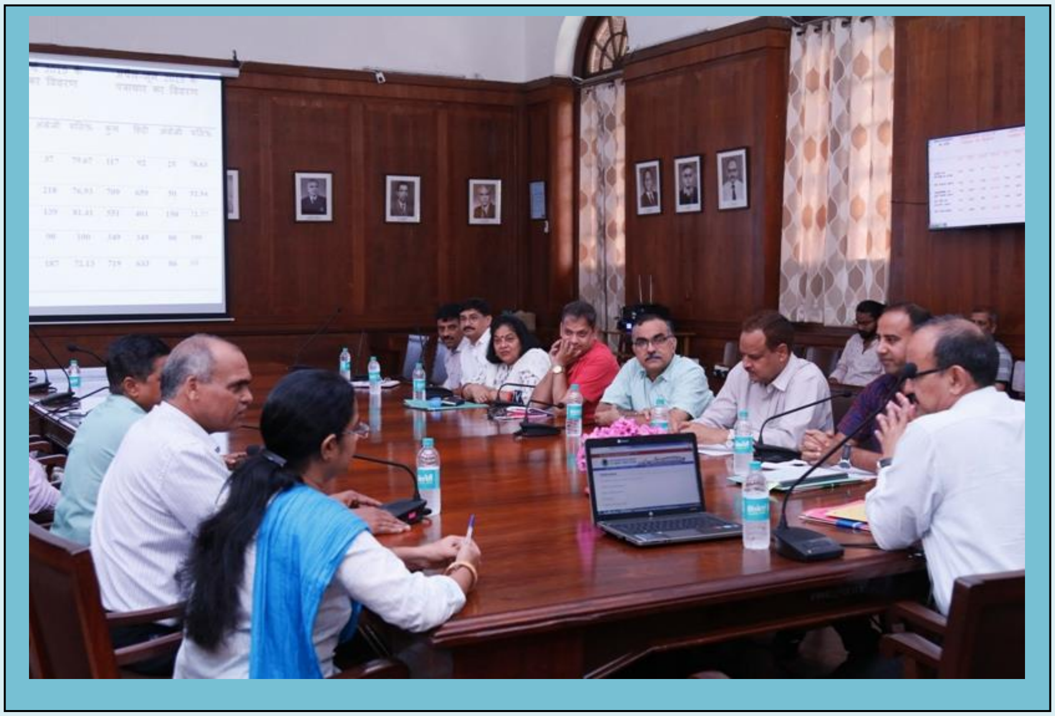

"वन अनुसंधान ई-पत्रिका" के अंक-01 का विमोचन करते हुये
श्री ए.एस. रावत, निदेशक, व.अ.सं.